नाट्यकला (285)

Natyakala

शिक्षक-अंकित मूल्यांकन–पत्र/ शिक्षक-अंकितमूल्यांकनपत्रम्

Tutor Marked Assignment

पूर्णांककाः//पूर्णांक – 20

Total marks – 20

निर्देशः - **i)** सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः। प्रश्नानुसारं समक्षं सर्वे अङ्का निर्देशिताः।

ii) उत्तरपुस्तिकायाः सम्मुखे स्वनाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या शिक्षणकेन्द्रस्य च नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

निर्देश - **i)** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अङ्क सामने दिए गए हैं।

ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या, अध्ययनकेन्द्र का नाम लिखिए।

Note - i) All questions are compulsory. The marks allotted for each questions are given beside the questions.

ii) Write your name, enrollment numbers and AI name on the first page of the answer sheet.

1. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए । 2

कंचिदेकं प्रश्नं ४०-६० शब्देषु समाधत्त। २

Answer any one question in 40-60 words. 2

(a) भरतमुनि के मतानुसार 'नाट्य सार्ववर्णिक वेद है'। इस कथन की पुष्टि कीजिए

(पाठ -1 देखें)

भरतमुनेः मतानुसारं 'नाट्यं सार्ववर्णिको वेद इति'। कथनस्य की पुष्टिं कुरुत।

(द्रष्टव्यम् -1)

Elaborate the Bharata's statement- 'नाट्यं सार्ववर्णिको वेदः'.

(See Lesson-1)

(b) नाट्यकला के विकास में भरतमुनि के नाट्यशास्त्र के योगदान का उल्लेख कीजिए?

(पाठ-1 **देखें**)

नाट्यकलायाः विकासे भरतमुनेः नाट्यशास्त्रस्य योगदानं लिखत।

Describe the contribution of Bharat Muni's Natyashastra in the development of dramatic art

(See Lesson-1)

2. Answer any one question in 40-60 words. **2**

कंचिदेकं प्रश्नं ४०-६० शब्देषु समाधत्त। २

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए – **2**

(a) नाट्य प्रयोग की सिद्धि के लिए गीत एवं वाद्य की मूमिका का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। (पाठ -2 देखें)

नाट्यप्रयोगसिद्धौ गीतवाद्ययोः भूमिकां संक्षेपेण वर्णयत। (द्रष्टव्यम् – 2)

Briefly describe the role of song and instrument in the success of theatrical performance. (See Lesson-2)

(b) नाट्यरस एवं भाव के संबंध को उदाहरण सहित समझाइए। (पाठ -2 देखें)

नाट्ये रसभावयोः संबंधं सोदाहरणं विशदीकुरुत। (द्रष्टव्यनम् -2)

Explain the relationship between Natya Rasa and Bhaav with examples (See Lesson - 2)

3. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए – 2

कंचिदेकं प्रश्नं ४०-६० शब्देषु समाधत्त। २

Write the answer of any one question in 40-60 words. **2**

(a) प्रासंगिक कथावस्तु के भेदों पर प्रकाश डालिए। (पाठ-5 देखें)

प्रासंगिककथावसुभेदान् निरूपयत। (द्रष्टव्यम्- 5)

Describe the types of प्रासंगिक कथावस्तु (See Lesson - 4)

(b) नाटक की पाँच कार्यावस्थाओं का वर्णन कीजिए। (पाठ-5 देखें)

नाट्ये पंचकार्यावस्थाः वर्णयत। (द्रष्टव्यम्- 5)

Describe the five stages of drama. (See Lesson - 5)

4. किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए – **4**

कंचिदेकं प्रश्नं १००-१५० शब्देषु समाधत्त। ४

Write the answer of any one question in 100-150 words. **4**

(a) नागानंद नाटक के द्वितीय अंक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए। (पाठ 10 देखें)

नागानंद इति नाटकस्य द्वितियांकस्य कथावस्तुं संक्षेपेण लिखत। (द्रष्टव्यम् १०)

Write in brief the story of the second act of the play Nagananda. (See Lesson- 10)

(b) प्रतिमानाटक नाटक के अनुसार सीता का चरित्र चित्रण कीजिए। (पाठ - 9 देखें)

प्रतिमानाटकनाटकानुसारं सीतायाः चरित्रचित्रण कुरुत। (द्रष्टव्यम्- ९)

Describe the character of Sita as per the play Pratimanataka. (See Lesson - 9)

5. किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए – **4**

कंचिदेकं प्रश्नं १००-१५० शब्देषु समाधत्त। ४

Write the answer of any one question in 100-150 words. **4**

(a) रंगमंच के उद्भव की दैवीय अवधारणा पर टिप्पणी लिखिए। (पाठ – 14 देखें)

रंगमचस्य दैवीयोद्भवस्यावधारणामधिकृत्य टिप्पणीं लिखत। (द्रष्टव्यम् – १४)

Write a note on the divine concept of the origin of theatre. (See Lesson - 14)

(b) नाटक में हस्तमुद्राओं के महत्व पर टिप्पणी लिखिए। (पाठ – 17 देखें)

नाट्ये हस्तमुद्राणां महत्वमाधृत्य टिप्पणीं लिखत। (द्रष्टव्यम् – १७)

Write a note on the importance of hand gestures in the drama. (See Lesson - 17)

6. नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए।

अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना विवरणं लिखत- ६

Give a description in the form of a project on any of the topics given below. 6

(a) नाट्यशास्त्र में वर्णित प्रेक्षागृह का विस्तार से वर्णन कीजिए (पाठ -13 देखें)

नाट्यशास्त्रीयस्य प्रेक्षागृहस्य विस्तरेण वर्णनं कार्यम्। (द्रष्टव्यम् – १३)

Describe in detail the auditorium described in Natyashastra. (See Lesson 13)

(b) नाट्यशास्त्र में वर्णित विभिन्न नाट्यगृहों का विवरणिका बनाएँ। (पाठ -13 देखें)

नाट्यशास्त्रे वर्णितविभिन्ननाट्यगृहाणां विवरणं कुरुत। (पाठ -13 देखें)

Prepare a brochure of various theatres described in Natyashastra. (See Lesson 13)